भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +**299**

सोमवार, 24 जून, 2019/3 आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कन्याकुमारी में पर्यटन को बढ़ावा देना

+299. श्री एच॰ वसंत कुमारः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि देश और विदेश में कन्याकुमारी जिले में आने वाले पर्यटकों की संख्या साल-दर-साल बढ़ रही है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और पर्यटन से अर्जित राजस्व का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार कन्याकुमारी जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने और समुद्र तटों के सौंदर्यीकरण/मूलभूत सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए लंबे समय से लंबित परियोजनाओं से अवगत है;

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रह्लाद सिंह पटेल)

(क) और (ख) : पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) तथा विदेशी पर्यटक यात्राओं (एफटीवी) के आंकड़ों का संकलन करता है । वर्ष **2015, 2016** तथा **2017** (अद्यतन उपलब्ध) के दौरान तमिलनाडु राज्य के डीटीवी और एफटीवी के आंकड़े निम्नानुसार हैं:

(आंकड़े मिलियन में)

वर्ष	डीटीवी	एफटीवी
2015	333.5	4.7
2016	343.8	4.7
2017 (अ.)	345.1	4.9

अ. अनंतिम

पर्यटन मंत्रालय से अर्जित राजस्व के आंकड़ों का संकलन नहीं करता है । तथापि, विगत तीन वर्षों के दौरान भारत में पर्यटन के माध्यम से अनुमानित विदेशी मुद्रा आय (एफईई) निम्नानुसार हैं:

वर्ष	एफईई (करोड़ रु. में)
2016	1,54,146
2017	1,77,874
2018	1,94,882

(ग) से (ड.) : पर्यटक स्थानों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है । तथापि, पर्यटन मंत्रालय, देश के विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में अपने विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को शामिल करते हुए भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है । देश में पर्यटन अवसंरचना के निर्माण हेतु मंत्रालय की दो प्रमुख योजनाएं अर्थात् स्वदेश दर्शन-थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास तथा प्रशाद-तीर्थ स्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान हैं । इन योजनाओं के अंतर्गत विकास के लिए परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, संगत योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन तथा पूर्व में जारी निधियों के उपयोगिता की शर्त पर स्वीकृत की जाती हैं । तमिलनाडु राज्य के लिए इन योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत योजनाएं अनुबंध में दी गई हैं ।

****

अनुबंध

कन्याकुमारी में पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 24.06.2019 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. 299 के (ग) से (ड.) के उत्तर में विवरण

क. स्वदेश दर्शन योजना के तहत तमिलनाडु राज्य में स्वीकृत परियोजनाएँ

परिपथ का नाम/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम
तटवर्ती परिपथ (2016-17)	चेन्नई - मामल्लापुरम - रामेश्वरम - मनपदु -कन्याकुमारी में विकास

ख. प्रशाद योजना के तहत तमिलनाडु राज्य में स्वीकृत परियोजनाएँ

स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम
2016-17	कांचीपुरम का विकास
2016-17	वेल्लांकनी का विकास

****